भारत सरकार

पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. **567** जिसका उत्तर

गुरूवार, **22 जुलाई**, 2021/31 आषाढ़, 1943 (शक) को दिया जाना है

असम में जलमार्गों का विकास

†567. श्री कृपानाथ मल्लाह:

क्या **पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार असम में जलमार्ग को बढ़ावा देने की योजना बना रही है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इसके लिए अनुमानित निधि का ब्यौरा क्या है तथा इसके लिए संभावित लक्ष्य का ब्यौरा क्या है; और

(ग) इसे कब तक प्राप्त किए जाने की संभावना है?

उत्तर

पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग राज्य मंत्री

(श्री श्रीपाद नाईक)

(क) से (ग): वर्ष 1988, में धुबरी से सादिया तक बह्मपुत्र नदी को राष्ट्रीय जलमार्ग- 2 (रा.ज.-2) घोषित किया गया था। इस जलमार्ग में नौचालन के उद्देश्य से पर्याप्त अंतर्देशीय जलपरिवहन (आईडब्ल्यूटी) बुनियादी ढ़ांचा विकसित कर लिया गया है। यह जलमार्ग प्रचालनात्मक है और नियमित रूप से इसका रखरखाव किया जाता है।

राष्ट्रीय जलमार्ग अधिनियम, 2016 के तहत बराक नदी के राष्ट्रीय जलमार्ग-16 (रा.ज.-16) घोषित करने के उपरांत, वर्ष 2017-18 के दौरान भंगा से सिल्चर के बीच विकास कार्य पहले ही शुरू हो चुके हैं। इनमें नौचालन सहायक, रखरखाव ड्रैजिंग और बदरपुर तथा करीमगंज में टर्मिनलों का उन्नयन शामिल है। रा.ज.-16 सीमित अवसंरचना सुविधा के साथ प्रचालनात्मक है।

वर्ष 2020-21 से वर्ष 2024-25 के दौरान रा.ज. -2 एवं रा.ज.-16 तथा आईबीपी मार्ग (भारत की तरफ) के आगे के व्यापक विकास के लिए सरकार द्वारा क्रमश: 461 करोड़ रु. तथा 145 करोड़ रु. स्वीकृत किए गए है। भारतीय अंतर्देशीय जलमार्ग प्रधिकरण (आईडब्ल्यूएआई) द्वारा असम में शुरू की गई आईडब्ल्यूटी परियोजनाओं का विवरण **अनुबंध-1** में दिया गया है।

अनुबंध-1

असम में आईडब्ल्यूटी परियोजनाओं का विवरण

क्र. सं.	परियोजना का नाम	विवरण
क	**ब्रह्मपुत्र नदी (रा.ज.-2)**	
1	वार्षिक फेयरवे विकास और रखरखाव कार्य	इस कार्य में नियमित वार्षिक गतिविधियां जैसे जलीय सर्वेक्षण, बंडलिंग, ड्रैजिंग, प्रचालन, प्रबंधन और रा.ज.-2 में पहले से ही तैनात जलयानों की कार्मिक आवश्यकताएं शामिल हैं और इसे वार्षिक आधार पर चलाया जाता है।
2	नौचालन सहायकों का प्रचालन और रखरखाव	दिन के नौचालन सहायकों, रात के नौचालन सहायकों और डिफरेंशियल ग्लोबल पोजीशनिग सिस्टम (डीजीपीएस) जोकि पहले से ही स्थापित कर दिए गए है, का प्रचालन और रखरखाव नियमित वार्षिक गतिविधियों के रूप में चलाया जाता है, और वार्षिक आधार पर चलाए जाते हैं।
3	टर्मिनलों का प्रचालन और रखरखाव	आज की तिथि में नीचे दिए गए विवरण के अनुसार दो स्थायी और नौ फ्लोटिंग टर्मिनल हैं: स्थायी टर्मिनल : (i) पांडु, और (ii) धुबरी फ्लोटिंग टर्मिनल: (i) हतसिंगिमारी, (ii) जोगीघोपा, (iii) पांडु, (iv) उजान बाजार, (v) सीलघाट, (vi) बिश्वनाथ घाट, (vii) नियामाती, (viii) बोगीबील और (ix) ओरियम घाट
4	पांडु में पोत मरम्मत सुविधा (स्लिपवे) का निर्माण	पूर्वोत्तर क्षेत्र (एनईआर) में ड्राइ डोकिंग मरम्मत को सुगम करने के लिए पांडु में पोत मरम्मत सुविधा के निर्माण को विकास हेतु अंतिम रूप दे दिया गया
5	जोगिघोपा में टर्मिनल को निर्माण	मैसर्स नेशनल हाईवेज इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कॉरपोरेशन लिमिटिड (एनएचआईडीसीएल) द्वारा निक्षेप कार्य आधार पर कार्य शुरू किया जाना है।
6	पांडु के लिए वैकल्पिक मार्ग	मैसर्स नेशनल हाईवेज इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कॉरपोरेशन लिमिटिड (एनएचआईडीसीएल) को निक्षेप कार्य आधार पर कार्य सौंपा जाना है।
ख	**बराक नदी (रा.ज.-16)**	
1	बदरपुर और करीमगंज टर्मिनलों का उन्नयन	बदरपुर और करीमगंज टर्मिनलों का उन्नयन सीपीडब्ल्यूडी को निक्षेप कार्य आधार पर सौंपा गया है।

*****